कलिसिया कि अर्थ व्यवस्था

आटरावाहप्ता - कलिसिया पैसा खर्च करती हे. 1. पासबान पर 2. मिशनरीज लोंगो पर और 3 जरुरी हो ने विधवावो पर (उदाहरण से सेवकाई करनेवाली विधवाये) अगर आप के कलिसिया के लोंग शिष्य होंगे तो वे अवश्य ही असे कामो को मदत करेंगे. लेकिन आपको प्रभु यिशु के नाम मे वो पैसा वापस मिलेगा नही. और अगर येसा कुछ हो रहा हे तो दिल से माफि मांग लो. तुरंत हि येसे सम्यसाओ का निवारन कर लेना चाहिए और अगुवाई करनेवालो मे बदलाव लाना चाहीए. (तीमुथियुस कि पहली पत्री 3, कलिसियो की अगुवाई करनेवालो कि समाज मे अच्छी छबी होनी चाहीए. और " पहले खुद को सिद्धकरो" 2 राजाओ 4:7, नितिवचन 3 : 9 - 10, 27 - 29, कुरीन्थीयो के नाम पहली पत्री9 : 1 - 27, तीमुथियुस कि पहली पत्री 5 ("आदर" = मदत) मेंढरो को चराने के लिये पासबान को आर्थिक मदत कि जाती हे (यूहन्ना 21), वो इसलिये की, हर एक मसिही परिपक्व होना चाहिये,कुलुस्सियो कि पत्री 1 : 28 (ये वाक्य पाठांतर करे).

एक पापी भाई

उन्नीसवा हप्ता - पाप होन से रोकना कलिसियो के अगुओ किजिम्मेदारी हे. और अगर पाप होने से रोकने मे वे असमर्थ हे, तो समज लेना कि वे स्वय पापी हे. अगुओने पाप को रोक्ने के लिये क्या कदम लिये उसे लिखे. ध्यान मे रखे की, कुरीन्थीयो के नाम पहली पत्री 5 अगर आप इसे रोकने मे असमर्थ हे तो आप खुद अपने कलिसिया के विनाश के भागी हे.

मत्ती 18, कुरीन्थीयो के नाम पहली पत्री 4 :14 -5 :13, तीमुथियुस कि पहली पत्री 5:14 -5 13, फिलेमोन कि पत्री (भाई को समझ देना)

नये नियम के शिर्षक मालुम होना

इफिसियो कि पत्री 4 : 11 - 17 (इस अध्याय को पढीए)

<u>प्रेरित -</u> एक इसान जिसने खुद को यिशु कह कर पहचान दिखयी और शिर्षक दिया और चमत्कार करने का सामर्थ दिया , मत्ती 10 : 1 - 10 याह अदभूत चमत्कार हुवे " प्रेरितो के चिन्ह " कुरीन्थीयो के नाम दुसरी पत्री 12 : 12.

<u>भविष्यवक्ते</u> - पुराने नियम के भविष्यवक्ताओ के कार्य थोडे अलग थे, इसे लिखे. इफिसियो कि पत्री 2 : 20 का वाचन क्रे "प्रेरित जो भविष्यवक्ते भी थे," यिशु और प्रेरित ये भी भविष्यवक्ता थे, उन्ही कि निंव पर आज आप खडे हे.

प्रचारक और कलिसिया -शिक्षकोंका प्रचार करने का यही आधारशिला हे.

<u>प्रचारक</u>- ये वो लोग हे जो यिशु मसिह का सुसामाचार सुनाते हे.

<u>पासबान जो शिक्षक हे</u> - (यह एक ग्रीक वाक्य हे) पासबान यह शब्द चरवाहा जो मेंढरांको चराता हे उनके लिये इस्तेमाल किया गया हे. वे सिखाने के द्वारा उनका पेट भरते हे,इस के लिये हम कई शब्दो का इस्तेमाल कर सकते हे.

अ. तीमुथियुस कि पहली पत्री 3:1 - 2 "बिशपके गुण " या साहित्यिक तोर पर " स्वामी " अर्थात सर्वेक्षक भी कहा जा सकताहे.

आ.तीतुस कि पत्री 1 : 5-9 बिशप ये आदरनिय और कलिसिया के पुराने अनुभवी होने चाहिये. (प्राचीन यह साहित्यिक तोर पर बहुत पुराना हे) उसमे नया कोई नही होना चाहीये!

इ. प्रेरितो के कार्य 20 : 17 प्राचीन सर्वेक्षक हे (वचन 28 से) और वहि पासबान हे (या जिसे हम चरवाहा) भी कहते हे.

स्थनिक कलिसिया पर कोही भी अगुवा नही होता हे साधारनता

1. बुजुर्ग (अनुभवी या कलिसिया चलानेवाले होते हे)
2. सर्वेक्षक (जो सभी कामो पर ध्यान देते हे या ग्रीक मे जिसे " इपिसकोपास" कहते हे)
3. पासबान या चरवाहा (जो अपने मेढरोको चराते हे और उनका रक्षण भी करते हे) . याद रखे की वो इंसानो का झुंड हे और उसे कभी भी एकेला " इंसान " ना समझे. क्योकि उस झुंड से किसी इंसान ने खास प्रशिक्षण लिया हे. " पासबान जो शिक्षक हे " वे अन्य सेवको के साथ सेवकाई करेंगे.

शिष्य - एक विद्यार्थी.

©2016 Dennis Dickinson
whitestonemissions.com

पवित्र ग्रंथ से प्रभावशाली अनुयायी प्रशिक्षण

भाग ३

कलिसियो के सेवको का प्रशिक्षण

तीमुथियुस कि दुसरी पत्री 3 : 16 – 17 पुरा पवित्र ग्रंथ परमेश्वर के प्रेरना से लिखा होने के कारन वो सत्य समज़ने के लिये , बुराई का विरोध करने के लिये, गलतियो को सुधारने के लिये और योग्य जीवन जिने के लिये मार्गदर्शन करता हे. यूहन्ना 8 मे यिशु प्रभु कहते हेमे तुम्हे मेरे शब्दो के द्वारा पाप कि गुलमी से मुक्त करुंगा.

ये नमुना अपको आपके पवित्र ग्रंथ के अध्ययन के समय आपकी अगुवाई करेगा. और ये ध्यान रखे कि आपकी इज्जत परमेश्वर के सामने सबकुच हे. और हमेशा ध्यान रखे कि बुरी इज्जत से अच्या हे कि हम परमेश्वर के जैसा जीवन जिये. याकुब 3 - 4 मे कहते हे कि ज्ञानी इंसान " उसके अचे कर्मो के द्वरा पहचना जाता हे".

सुचना

1. कलिसियो के सेवक उनकी प्रतिमा के कारन जाने जाते हे और उन्हे विश्वासाद्वारा ही चुना जाता हे. तीमुथियुस कि पहली पत्री 3, तीतुस1 1, वे सब लोग दुसरो के द्वारा चुने गये. (खुद को चुने वाले नही)
2. कलिसियो के सेवक हमेशा नेतृत्व देनेवाले होने चाहीये! अगर वे कुच नही कर सकते मतलब वो इंसान नेतृत्व देने लायक नही हे और नेतृत्व करने वालो को भी इससे दुर करते हे. इसलिये , जब सिखाते हुवे , शिष्य लोग यिशू के साथ जाते थे, और सिर्फ सुनतेते , उसके बाद सेवकाई करते थे , और फिर बाहर जाक्रर भी सेवा करते थे , और अंत मे वे दुसरो कि अगुवाई करते थे.
3. कलिसियो की अगुवाई करनेवालो को पवित्र ग्रंथ का ज्ञान होना जरुरी हे. यिशुने उनके शिष्यो को पवित्र ग्रंथ का ज्ञान इसलिये नही दिया की क्योंकि वो उनके पास यिशु के बुलाहट से पहले हि था. इस अध्ययन से शायद आप सबधित हो सकते हे और इसके बारे मे आप जानते हो. कलिसियो की अगुवाई करनेवालो ने जिस प्रकार पवित्र ग्रंथ को पडना आरंभ किया उसी तरह उसे पूरा करे.इस तरह उसके बाद , यह किताबे कलिसियो की अगुवाई करनेवालो को प्रशिक्षित क्ररेगी. इसके लिये हर दिन एक भाग को दो हप्तो तक लगातार पडना होगा और यह सब आपकी सेवकाई के समय हि होगा!

यह अध्ययन किताब उन सब किताबो का विश्लेषण करेगी जिसे कलिसियो के अगुवेचुनेगे. कोई भी खुद को नियुक्त क्ररेगा नही या अपने आप को अभिषिक्त करेगा नही,और यह करने का अधिकार प्रेरितो के पास से भी निकाल दिया गया हे , यह गलातियो कि पत्री 1 मे कहा गया हे - इस बारे मे हम यहूदा को याद कर सकते हे!)

सेवक प्रशिक्षण देते हुवे प्रशिक्षित होते हे!

सेवक प्रशिक्षण मे सिर्फ उन्ह लोगो ने ही शामिल होना हे जो सेवकाई मे अगुवाई करते हे. शिष्यो ने सबसे पहले देखना और मदत क्ररना किया. उन्ह सभी को सभाओ मे शामिल करना और बातचित करने का आधिकर देना, दो महीनो तक उनके नामो को प्रकाशित क्ररना ,कलिसियो को मालुम करना , उन्हे हम कलिसियो के सेवक करके सोच सकते हे. और ये कैसे हे इसका आभिप्राय भी कलिसिया के लोग दे सकते हे. दो महिने के अंत मे उनके बारे मे सोच सक्ते हे. चुनाव के द्वारा किसी को भी अगुवा नही बना सकते. " उन्हे पहले अपने आप को सिद्ध क्ररना हे. तीमुथियुस कि पहली पत्री 3.

भाग 3 अगुवाई नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम

हर दिन एक भाग कमसे कम एक हप्ता पडे.अगुओ पर आपको ध्यान केंद्रित करना हे,सेवक लोंगो से मुलाकात करे ,सेवक क्या करतेहे और क्या नही करते ओ देखे और कलिसियो मे भी उनके काम को देखते रहे.

यूहन्ना रचित सुसमाचार मसिही लोगो का सुसमाचार हे, कोन, क्यो,कब,कैसे, किसलिये और कहा इन सब का जवाब हे, और हर एक विश्वासीयो का गुरु हे. धर्म ग्रंथ क्या कहता हे इसका वर्णन क्ररे, यिशु क्या करते थे , पवित्र आत्मा क्या करता था और विश्वासी लोग क्या कर रहे हे. कोन कोनसे निर्देशो का अनुसरन करते थे देखे.

पहला हप्ता	यूहन्ना 1 - 6
दुसरा हप्ता	यूहन्ना 7 - 12
तिसरा हप्ता	यूहन्ना 13 - 21

प्रेरितो के कार्य यह मसिही धर्म की शुरुवात और यहुदी यरुशलेम से पृथ्वी का अंत होने तक का बदलाव हे.

चौथा हप्ता	प्रेरितो के कार्य 1- 6
पांचवा हप्ता	प्रेरितो के कार्य 7 - 11
छटवा हप्ता	प्रेरितो के कार्य 12- 16
सातवा हप्ता	प्रेरितो के कार्य 17- 22
आटवा हप्ता	प्रेरितो के कार्य 23- 28

तीमुथियुस कि पहली पत्री स्थानिक कलिसियो के रचना ओ का उल्लेख क्ररता हे ,
अध्याय 3 से हर एक शब्दोका विश्लेषण करे. इसे याद रखे " जरुरी" 3:15 से.

नववा हप्ता	तीमुथियुस कि पहली पत्री

तीमुथियुस कि दुसरी पत्री

दसवा हप्ता	तीमुथियुस कि दुसरी पत्री

तीतुस की पत्री स्थानिक कलिसियो की स्थापना ,कैसे ?

ग्यारवा हप्ता	तीतुस की पत्री

कुरीन्थीयो के नाम पहली और दुसरी पत्री

बारवा हप्ता	रीन्थीयो के नाम पहली पत्री1 - 9
तेरवा हप्ता	कुरीन्थीयो के नाम पहली पत्री 10 - 16
चौदावा हप्ता	कुरीन्थीयो के नाम दुसरी पत्री 1 - 13

गलातियो कि पत्री स्थानिक कलिसियो के साथ सुसमाचार की र्रचना प्रस्थापित करना

पंधरावा हप्ता	गलातियो कि पत्री

नये मसिही लोगो के साथ कैसा व्यवहार करे

सोलवा हप्ता	थिस्सलुनीकियो कि पहली और दुसरी पत्री, फिलेमोन कि पत्री (मध्यस्थी)

स्थानिक कलिसिया का आदेश

सतरावा हप्ता	याकूब कि पत्री